वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

वानिकी महाविद्यालय, कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई

रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर : 01376 - 252 150

कृषि-मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन, जनपद - चम्पावत

दिनांक- 11 जून, 2019

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के चम्पावत जनपद में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है:-

मौसम प्राचल	**मौसम पूर्वानुमान अवधि**				
	12-06-2019 (11 जून सुबह 08:30 बजे से 12 जून सुबह 08:30 बजे तक)	**13-06-2019** (12 जून सुबह 08:30 बजे से 13 जून सुबह 08:30 बजे तक)	**14-06-2019** (13 जून सुबह 08:30 बजे से 14 जून सुबह 08:30 बजे तक)	**15-06-2019** (14 जून सुबह 08:30 बजे से 15 जून सुबह 08:30 बजे तक)	**16-06-2019** (15 जून सुबह 08:30 बजे से 16 जून सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	**0.0**	**3 (हल्की)**	**0.0**	**0.0**	**0.0**
आसमान में बादल आच्छादन (ओक्टा: 0 से 8) 0 ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)	3 ओक्टा (कुछ भाग बादल)	3 ओक्टा (कुछ भाग बादल)	3 ओक्टा (कुछ भाग बादल)	2 ओक्टा (मुख्यतः साफ)	3 ओक्टा (कुछ भाग बादल)
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	35	35	34	35	36
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	21	21	20	21	22
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	75	80	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	35	40	30	25	25
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	6	10	8	8	8
वायु की दिशा	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल(समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (05 से 11 जून, 2019 सुबह 08:30 तक); मुख्यतः साफ आसमान रहने के साथ 7 जून को 0.6 मिमी. वर्षा दर्ज की गई| दिन का अधिकतम तापमान 26.7 से 30.3 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13.0 से 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 42 से 65 प्रतिशत तथा अपराहन 14:16 बजे को 34 से 45 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.6 से 5.6 किमी० प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा मुख्यतः पूर्व व दक्षिण-पूर्व दिशा से चली|

सामान्यीकृत अंतर वानस्पतिक सूचनांक (Normalized Difference Vegetation Index) दिनांक 27 मई से 02 जून, 2019 के आधार पर कृषि ओज की स्थिति औसत (NDVI value 0.2 to 0.4) है|

मानकीकृत वर्षा सूचनांक (SPI_अवधि दिनांक 09 मई से 05 जून, 2019) के आधार पर जनपद में हल्के सूखे (Mildly dry_**SPI Value-** 0 to -0.99) की स्थिति रही|

<u>मौसम आधारित कृषि सलाह</u>

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह
मंडुआ, चौलाई, सोयाबीन, गहत, नौरंगी, उर्द (असिंचित)	बुवाई	खेत तैयार कर बीज शोधन पश्चात बुवाई कार्य करें| मृदापरीक्षण के आधार पर संस्तुत मात्रा में गोबर खाद/उर्वरक का प्रयोग करें|
धान (सिंचित)	पौध	पौध तीन सप्ताह की हो गयी हो तो रोपण कार्य करें| रोपण के 1-3 दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर खरपतवारनाशी का उचित मात्रा में प्रयोग कर खरपतवार नियंत्रण करें| ध्यान रखें कि खेत में पानी रुका रहें| मृदापरीक्षण के आधार पर संस्तुत मात्रा में खाद/उर्वरक का प्रयोग करें|
झंगोरा, तोर (ऊंचाई क्षेत्र_असिंचित)	पौध	निराई गुडाई करें व जैविक फफूंदनाशक का प्रयोग कर फफूंद रोग जनक से फसल सुरक्षा करें| घने पौधों को निकालकर पौधों के मध्य उचित दूरी रखें
गेंहू	-	धूप में अच्छी तरह सुखाकर मंड़ाई व भण्डारण करें|
प्याज, लहसुन	परिपक्वता	खुदाई से कुछ दिनों पूर्व सिंचाई रोक दें| खुदाई उपरान्त छाया में सुखाकर भण्डारण करें|
अदरक	अंकुरण	सूखी घास की पलवार बिछा दें व खरपतवार हटा दें|
आलू (ऊंचाई क्षेत्र_असिंचित)	कंद बढ़वार	मिट्टी चढाने का कार्य व पंक्तियों के बीच में सूखी घास की पलवार बिछा दें| खरपतवार हटा दें|
टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन (घाटी क्षेत्र)	फूल/फल	हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें| परिपक्व फलों की तुड़ाई करें| पौधों को लकड़ी/ रस्सी का सहारा देकर सीधा खड़ा रखें| सूखी घास की पलवार बिछा दें|
टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन (ऊंचाई क्षेत्र)	पौध	पौध तैयार हो तो शाम के समय प्रत्यारोपण कार्य पौध जड़ को जैव फफूंदनाशक से उपचारित कर करें| रोपण पश्चात सिंचाई अवश्य करें| पलवार में काली पॉलिथीन का प्रयोग करें जिससे खरपतवार नियंत्रण हो सके|
आड़ू, खुबानी, आलूबुखारा	परिपक्वता	ओलारक्षक जाली का प्रयोग करें| फल पकने की अवस्था पर रसायनों का प्रयोग न करें| परिपक्व फलों की तुड़ाई कर श्रेणीकृत करके विपणन करें|
सेब, अखरोट	फल बढ़वार	हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें| ओलारक्षक जाली का प्रयोग करें| नमी संरक्षण हेतु सूखी घास की पलवार बिछा दें|
माल्टा	फल निर्माण	
मशरूम उत्पादन	-	मशरूम उत्पादित कमरों में उचित आर्द्रता बनाए रखें| खिडकियों पर महीन जाली व पॉलिथीन लगाकर रखें जिससे हवा के साथ कीट अंदर न आ सके|
पशुपालन	-	अधिक गर्मी के कारण पशु ज्यादा चारा नहीं खाता है अतः पौष्टिक दाना व खनिज मिश्रण पर्याप्त मात्रा में खिलाएं| दिन में 2-3 बार स्वच्छ पानी पीने के लिए दें| मक्खियों/मच्छर से निजात के लिए दवा का इस्तेमाल करें| बरसात/मानसून से पहले पशु आवास की मरम्मत कार्य करें|
वानिकी	-	वर्षाकालीन वृक्षारोपण हेतु गड्डा खुदान कार्य करें| चारा प्रजाति व फलदार वृक्ष के पौध की व्यवस्था करें| जंगल की आग से सुरक्षा हेतु फायर लाइन बनायें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी